भारत सरकार

विदेश मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या – 1130

दिनांक 24.07.2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

बांग्लादेश और चीन के रिश्तों का भारत पर असर

1130. **श्री कौशलेन्द्र कुमारः**
श्रीमती कृष्णा देवी शिवशंकर पटेलः

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार इस आशंका से अवगत है कि बांग्लादेश और चीन के बीच बढ़ते संबंधों का भारत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या सरकार इस बात से अवगत है कि बांग्लादेश ने तीस्ता नदी परियोजना चीन को सौंप दी है और चीन–बांग्लादेश–म्यांमार आर्थिक गलियारा परियोजना भी चीन को दी जा रही है, यदि हां, तो ऐसी स्थिति में भारत के आर्थिक और रणनीतिक हितों की रक्षा करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

विदेश राज्य मंत्री

(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क एवं ख) सरकार अपने निकटतम पड़ोस में हो रहे उन सभी घटनाक्रमों पर लगातार नज़र रखती है जिनका भारत के हितों पर प्रभाव पड़ता है और उनकी रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाती है।

हमारे ऐतिहासिक और घनिष्ठ सांस्कृतिक संबंधों को देखते हुए, भारत पारस्परिक हितों को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से बांग्लादेश के साथ लगातार सहभागिता बनाए हुए है। बांग्लादेश के साथ भारत के संबंध अन्य देशों के साथ उसके संबंधों से स्वतंत्र हैं।

भारत ने तीस्ता नदी व्यापक प्रबंधन एवं पुनर्निर्माण परियोजना के संदर्भों तथा प्रस्तावित चीन–म्यांमार–बांग्लादेश आर्थिक गलियारे की रिपोर्टों को संज्ञान में लिया है। सरकार तीस्ता मुद्दे और बांग्लादेश के साथ व्यापारिक एवं आर्थिक संबंधों पर अपना समग्र दृष्टिकोण तय करते समय सभी संबंधित घटनाक्रमों पर विचार करेगी।

*****